No. of Printed Pages : 6

BPY–001

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP) (B. A. PHILOSOPHY)

Term-End Examination

December, 2023

Elective Course : Philosophy

BPY–001 : INDIAN PHILOSOPHY PART–I

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note **:** (*i*) *Answer all the* ***five*** *questions.*

(*ii*) *All questions carry equal marks.*

(*iii*) *Answers to Question No.* ***1*** *and* ***2*** *should approximately be in* ***400*** *words each.*

---

1. Explain the philosophical significance of *three* boons asked by Nachiketas in *Katha Upanishad*. 20

Or

Discuss the significance of Grace and Love as propounded in *Svetasvatara Upanishad*.

2. Compare and contrast Upanishadic notions of Sadehmukti and Videhmukti. 20

Or

Present an account of the nature of ultimate reality and *Moksha* as expounded in *Svetasvatara Upanishad*.

3. Answer any ***two*** of the following questions in about **200** words each :

   (a) Explain the significance of the questions by whom "commanded does the life move first .....etc". (*kena*) as expounded in the *Kena Upanishad*. 10

   (b) Illustrate the notion of Prana and the states of consciousness as Presented in *Prasna Upanishad*. 10

   (c) Explain the significance of Meditation on AUM as presented in Upanishads. 10

   (d) Give an exposition of *Turiya* state of consciousness as propounded in *Mandukya Upanisad*. 10

4. Answer any ***four*** of the following questions in about **150** words each :

   (a) Explain the difference between Para vidya and Apara vidya according to *Mandukya Upanisad*. 5

(b) Describe the conception of Self or Soul according to Cārvakas. 5

(c) Explain Mati, Sruti, Avadhi, Manah-Paryaya as different types of knowledge according to the Jainas. 5

(d) Present the Buddhist notion of self as aggregate or Samghāta of different psycho-physical factors. 5

(e) What is the idea of Nirvana according to Buddhism ? 5

(f) Enumerate the main points of differences between Vaibhasika and Sautrantika schools of Buddhism. 5

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about **100** words each :

(a) Triratnas or three precious jewels according to Jaina ethics 4

(b) Metaphysical position of the Yogācāra school of Budhism 4

(c) Four noble truths according to Buddhism. 4

(d) Notion of Darshana as philosophy 4

(e) Mind as sixth sense organ 4

(f) Subject-matter of Smritis 4

(g) *Shiksha* portion of the Vedānga 4

(h) Vedas as *Apaurusheya* 4

BPY–001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी. डी. पी.)

(दर्शनशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र

बी.पी.वाई.–001 : भारतीय दर्शन भाग–1

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *(i) सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रश्न संख्या ***1*** *और* ***2*** *में प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. **कठोपनिषद्** में नचिकेता द्वारा माँगे गये **तीन** वरदानों के दार्शनिक महत्व की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

श्वेताश्वतर उपनिषद् में प्रस्तुत कृपा तथा प्रेम के महत्व की चर्चा कीजिए।

2. उपनिषद् की अवधारणाओं सदेहमुक्ति एवं विदेहमुक्ति की तुलना एवं अन्तर कीजिए। 20

अथवा

श्वेताश्वर उपनिषद् में प्रस्तुत परमसत् एवं मोक्ष की प्रकृति की चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों क उत्तर लगभग **200–200** शब्दों में दीजिए :

(अ) केनोपनिषद् में प्रस्तुत 'किसके द्वारा जीवन प्रथमतः गतिशील होता है, इत्यादि' (केन) प्रश्नों के महत्व की व्याख्या कीजिए। 10

(ब) प्रश्न उपनिषद् में प्रस्तुत प्राण एवं चेतना के स्तर की धारणा को दृष्टान्तः समझाइए। 10

(स) उपनिषदों में प्रस्तुत ओउम् पर ध्यान के महत्व की व्याख्या कीजिए। 10

(द) **माण्डूक्य उपनिषद** में वर्णित चेतना की **तुरीय** अवस्था को समझाइए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर लगभग **150–150** शब्दों में दीजिए :

(अ) मुण्डकोपनिषद् के अनुसार परा एवं अपरा विद्या में अन्तर की व्याख्या कीजिए। 5

(ब) चार्वाक के अनुसार आत्मा की अवधारणा का वर्णन कीजिए। 5

(स) जैन दर्शन के अनुसार मति, श्रुति, अवधि, मनः पर्याय आदि ज्ञान के प्रकारों का वर्णन कीजिए। 5

(द) बौद्ध दर्शन क विभिन्न मनो-भौतिक कारकों के संघात की धारणा को प्रस्तुत कीजिए। 5

(य) बौद्ध दर्शन के निर्वाण की अवधारणा क्या है ? 5

(र) बौद्ध दर्शन के वैभाषिक एवं सौत्रान्तिक सम्प्रदायों के मध्य अन्तर के मुख्य बिन्दु कौन-से हैं ?

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) जैन नीतिशास्त्र के अनुसार त्रिरत्न 4

(ब) योगाचार बौद्ध दर्शन की तत्त्वमीमांसीय दृष्टि 4

(स) बौद्ध दर्शन के अनुसार चार आर्य सत्य 4

(द) दर्शन की धारणा फिलॉसफी की तरह 4

(य) मन छठी इन्द्रिय की तरह 4

(र) स्मृति की विषय-वस्तु 4

(ल) शिक्षा वेदांग 4

(व) वेदों की अपौरुषेयता 4